(1) घाव पर नमक छिड़कना :—
अर्थ— दुःखी को और दुःख देना।

वाक्य में प्रयोग —
परीक्षा में फेल होजाने के कारण रमेश वैसेही दुःखी है। आप उसको डाँटकर घाव पर नमक छिड़क रहे हो।

(2) घी के दिये जलाना :—
अर्थ :— खुशी मनाना
वाक्य में प्रयोग :— अपने प्रतिद्वन्द्वी की हार पर सुनील ने घी के दिये जलाए।

(3) घोड़े बेचकर सोना :—
अर्थ :— निश्चिन्त होना
वाक्य में प्रयोग— किशन परीक्षा समाप्त होते ही घोड़े बेचकर सोता है।

(4) चम्पत होना :—
अर्थ :— भाग जाना
प्रयोग :— सिपाही को देखते ही चोर वहाँ से चम्पत हो गया।

(5) चाँदी काटना :—
अर्थ :— अधिक लाभ प्राप्त करना।

प्रयोग :- आपात्स्थिति से पूर्व काले धन्धें में लगे व्यक्ति कृत्रिम कमी उत्पन्न करके चाँदी काट रहे थे। अब सभी के होश ठिकाने आ गए हैं।

(6) चार चाँद लगाना :-
अर्थ :- सौन्दर्य में वृद्धि करना।
प्रयोग :- प्रधानमन्त्री ने विद्यालय के वार्षिकोत्सव में उपस्थित होकर कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

(7) चुल्लूभर पानी में डूब मरना :-
अर्थ :- अपने गलत काम के लिए लज्जा का अनुभव करना।
प्रयोग :- रमेश ने अपनी बहन की सम्पत्ति पर भी कब्जा करने की कोशिश की। जब सम्बन्धियों को पता चला तो उन्होंने उससे कहा कि जाओ, चुल्लूभर पानी में डूब मरो।

(8) चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना :-
अर्थ : घबराहट आदि के कारण चेहरे का रंग उड़ जाना।
प्रयोग :- शहर में दंगा होने की खबर सुनकर शहर में नई आई मेघना के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगी।

(9) चोर की दाड़ी में तिनका :-

अर्थ :- वास्तविक अपराधी का बिना पूछे बोल उठना।

प्रयोग :- छात्रों ने श्यामपट्ट पर एक कार्टून बना दिया था। अध्यापक ने उसके सम्बन्ध में छात्रों से पूछा। इसी बीच एक छात्र खड़ा होकर कहने लगा कि कार्टून मैंने नहीं बनाया। सब छात्र कहने लगे- "चोर की दाड़ी में तिनका।"

(10) चोली-दामन का साथ होना :-

अर्थ :- घनिष्ठ अथवा अटूट सम्बन्ध।

प्रयोग :- पन्ना रूपवती स्त्री थी और रूप तथा गर्व में चोली-दामन का नाता था।

(11) खून का प्यासा होना :-

अर्थ :- जानी दुश्मन होना।

प्रयोग :- जब सरदार भगत सिंह ने लाला लाजपतराय की मृत्यु का समाचार सुना तो वे अंग्रेजों के खून के प्यासे हो गये।

(12) खून सूख जाना :-
अर्थ :- भयभीत होना।
प्रयोग :- रमेश अपने पिता से बिना कहे सिनेमा देखने चला गया। सिनेमाहाल पर अचानक अपने पिता को देखकर उसका खून सूख गया।

(13) खून सफेद होना :-
अर्थ :- उत्साह का समाप्त हो जाना, बहुत डर जाना।
प्रयोग :- अपने सामने एक बहुत ही भयानक चेहरे के व्यक्ति को खड़ा देखकर मानो उसका खून सफेद हो गया।

(14) खेत रहना :-
अर्थ :- लड़ाई में मारा जाना।
प्रयोग :- भारत और चीन के युद्ध में शत्रुओं के कई हजार सैनिक खेत रहे।

(15) गड़े मुर्दे उखाड़ना :-
अर्थ :- बहुत पुरानी बात दोहराना।
प्रयोग :- गड़े मुर्दे उखाड़ने से किसी समस्या का हल नहीं मिलता। वस्तुतः हमें वर्तमान सन्दर्भ में ही समस्या का समाधान खोजना चाहिए।

(16) गागर में सागर भरना :-
अर्थ :- थोड़े शब्दों में अधिक बात कहना।
प्रयोग :- बिहारी ने अपनी सतसई के दोहों में बड़े-बड़े अर्थ रखकर गागर में सागर भरने की बात को चरितार्थ किया।

(17) गाल बजाना :-
अर्थ :- डींग मारना।
प्रयोग :- केवल गाल बजाने से सफलता नहीं मिल सकती, इसके लिए परिश्रम भी परम आवश्यक है।

(18) गुड़-गोबर करना :-
अर्थ :- काम बिगाड़ना।
प्रयोग :- कवि-सम्मेलन बड़े आनन्द से चल रहा था, श्रोता रसमग्न होकर कविताएँ सुन रहे थे कि अचानक आई तेज वर्षा ने सारा गुड़-गोबर कर दिया।

(19) गूलर का फूल होना :-
अर्थ :- अलभ्य वस्तु होना।
प्रयोग :- आज के युग में ईमानदारी गूलर का फूल हो गई है।

(20) घड़ों पानी पड़ना :-
अर्थ :- दूसरों के सामने हीन सिद्ध होने पर अत्यन्त लज्जित होना।
प्रयोग :- बहू ने जब सास का झूठ सबके सामने पकड़ लिया तो उस पर घड़ो पानी पड़ गया।

(21) घर फूँक तमाशा देखना :-
अर्थ :- क्षणिक मानन्द के लिए बहुत अधिक खर्च करना।
प्रयोग :- सेठ मोलामल का बड़ा लड़का शराब व जुए में सम्पत्ति नष्ट करके घर फूँक तमाशा देख रहा है।

(22) कान का कच्चा होना :-
अर्थ :- बिना सोचे-विचारे दूसरों की बातों पर विश्वास करना।
प्रयोग :- कान का कच्चा व्यक्ति अच्छा राजा या कुशल प्रशासक नहीं हो सकता।

(23) कान पर जूँ न रेंगना :-
अर्थ :- बार-बार कहने पर भी प्रभाव न होना।
प्रयोग :- सब अनुत्तीर्ण हो जाने पर क्यों रोते हो? जब मैं पढ़ने के लिए बार-बार कहता था, तब तुम्हारे कानों पर जूँ भी न रेंगती थी।

(24) काला अक्षर भैंस बराबर :-
अर्थ :- बिल्कुल अनपढ़।
प्रयोग :- संगीत के विषय में मेरी स्थिति काला अक्षर भैंस बराबर है।

(25) कीचड़ उछालना :-
अर्थ :- लांछन लगाना।
प्रयोग :- कुछ लोगों को दूसरों पर कीचड़ उछालने में मजा आता है।

(26) कुएँ में भाँग पड़ना :-
अर्थ :- सम्पूर्ण समूह (परिवार) का दूषित प्रवृत्ति का होना।
प्रयोग :- जब घर में भागकर प्रेम-विवाह करनेवाली साधना की दूसरी बेटी भी घर से भाग गई तो सभी सुननेवालों ने यही कहा कि बटाँ तो कुएँ में ही भाँग पड़ी है।

(27) कूप-मण्डूक होना :-
अर्थ :- संकुचित विचारवाला होना।
प्रयोग :- समुद्र पार कराने का निषेध करके हमारे पुरखों ने हमें कूप-मण्डूक बना रहने दिया।

(28) कोयले की दलाली में हाथ काले :-
अर्थ :- कुसंगति से कलंक अवश्य लगता है।

प्रयोग :- अपने मातहत दो बाबुओं के रँगे हाथों रिश्वत लेते पकड़े जाने पर लापरवाही के आरोप में मजब सिंह को भी उनके पद से हटा दिया गया। आखिर कोयले की दलाली में हाथ काले होते ही हैं।

(29) खटाई में डालना :-
अर्थ :- उलझन पैदा करना।
प्रयोग :- मेरे मामले का निर्णय अभी तक नहीं हुआ लिपिक महोदय ने जान-बूझकर उसे खटाई में डाल दिया है।

(30) खरी मजूरी चोखा काम :-
अर्थ :- अच्छी मजदूरी लेनेवाले से अच्छे काम की ही अपेक्षा की जाती है।
प्रयोग :- रोजगार की तलाश में शहर जाते बेटे को समझाते हुए पिता ने कहा कि होते शहर में खरी मजूरी चोखा काम चाहनेवालों की कमी नहीं है।

(31) ओखरी से सिर देना :-
अर्थ :- जान बूझकर अपने को मुसीबत में डालना।
प्रयोग :- उस नामी गुण्डे को छेड़कर क्यों ओखली में सिर दे रहे हो।

(32) कंगाली में आटा गीला होना :-
अर्थ :- विपत्ति में और विपत्ति आना।
प्रयोग :- श्री गुप्ता की पहले तो नौकरी छूट गई और उसके बाद उनके घर में चोरी हो गई। वास्तव में कंगाली में आटा गीला होना इसे ही कहते हैं।

(33) कच्चा चिट्ठा खोलना :-
अर्थ :- गुप्त भेद खोलना।
प्रयोग :- आपातकालीन स्थिति ने बड़े-बड़े सफेदपोशों का कच्चा चिट्ठा खोलकर रख दिया।

(34) कलई खुलना :-
अर्थ :- भेद / रहस्य प्रकट हो जाना।
प्रयोग :- अनिकेत अपने ममेरे भाइयों की नई-नई वस्तुएँ दिखाकर अपने सहपाठियों पर अपने अमीर होने का ढोंग करता रहता है, किन्तु करोना-पीड़ितों की सहायता के लिए जब उसने 50 रुपये दिए तो सबके सामने उसने अमीर होने की कलई खुल गई।

(35) कलम तोड़ना :-
अर्थ :- अत्यन्त अनूठा, मार्मिक या हृदयस्पर्शी वर्णन करना।
प्रयोग :- स्वामी जी के भक्त पत्रकारों ने उनकी प्रशंसा में कलम तोड़कर रख दी।

(36) कलेजा मुँह को आना :-
अर्थ :- अत्याधिक व्याकुल होना।
प्रयोग :- अपने मित्र के स्वर्गवास का समाचार सुनकर मोहन को ऐसा लगा जैसे उसका कलेजा मुँह को आ गया हो।

(37) कागजी घोड़े दौड़ाना :-
अर्थ :- कोरी कागजी कार्यवाही करना।
प्रयोग :- किसी भी योजना की ठोस रूपरेखा बनाए बिना केवल कागजी घोड़े दौड़ाने से समस्या हल नहीं हो सकती।

(38) टोपी उछालना :-
अर्थ :- इज्जत से खिलवाड़ करना।
प्रयोग :- कैसे भी प्रिय व्यक्ति को कोई अपनी टोपी उछालने की इज्जत नहीं दे सकता।

(39) ठगा-सा रह जाना :-
अर्थ :- चकित रह जाना
प्रयोग :- साईं बाबा के चमत्कार देखकर मैं ठगा-सा रह गया।

(40) ढोल की पोल :-
अर्थ :- बाहरी दिखावे के पीछे छिपा खोखलापन।
प्रयोग :- ये स्वामी लोग व्याख्यान तो बहुत सुन्दर देते हैं, परन्तु उनके जीवन को निकट से देखते पर पता चलता है कि ढोल के भीतर भी पोल है।

(41) तिल का ताड़ करना :-
अर्थ :- छोटी-सी बात को बड़ी बनाना।
प्रयोग :- बात तो बहुत छोटी-सी थी, किन्तु उन्होंने तिल का ताड़ करके आपस में झगड़ा करा दिया।

(42) तीन-तेरह करना :-
अर्थ :- गायब करना, तितर-बितर करना।
प्रयोग :- छापा पड़ने से पहले ही लालाजी ने अपने सारे कागजों को तीन-तेरह कर दिया।

(43) तोते के समान रटना :-
अर्थ :- बात के सार को समझे बिना उसे रट लेना
प्रयोग :- वर्तमान शिक्षा-प्रणाली छात्रों को केवल तोते के समान रटना सिखाता है।

(44) थाली का बैंगन होना :-
अर्थ :- पक्ष बदलते रहना।
प्रयोग :- उसकी बात पर कोई विश्वास नहीं करता। वह तो थाली का बैंगन है। कभी इस ओर हो जाता है और कभी उस ओर।

(45) हक्के छुड़ाना :-
अर्थ :- हिम्मत पस्त कर देना।
प्रयोग :- व्यापारमण्डल ने मेरे प्रस्ताव को स्वीकार करके मेरे विरोधियों के हक्के छुड़ा दिए।

(46) छाती पर मूँग दलना :-
अर्थ :- अत्यन्त कष्ट देना।
प्रयोग :- माँ ने नाराज होकर बच्चों से कहा कि मेरी छाती पर ही मूँग दलते रहोगे या कुछ पढ़ोगे - लिखोगे भी।

(47) छाती / कलेजे पर साँप लोटना :-
अर्थ :- ईर्ष्या से हृदय जल उठना।
प्रयोग :- किसी की उन्नति की चर्चा सुनकर उसकी छाती पर साँप लोटने लगते हैं।

(48) दाँत खट्टे करना :-
अर्थ :- हरा देना।
प्रयोग :- भारतीय सैनिकों ने कारगिल युद्ध में पाकिस्तान सैनिकों के दाँत खट्टे कर दिए।

(50) दाँतो तले उँगली दबाना :-
अर्थ :- आश्चर्यचकित होना।
प्रयोग :- महारानी लक्ष्मीबाई के रणकौशल को देखकर अंग्रेजों ने दाँतों तले उँगली दबा ली।

(51) दाल न गलना :-
अर्थ :- युक्ति में सफल न होना।
प्रयोग :- जब अधिकारी के सामने लिपिक की दाल न गली तो वह निराश होकर लौट गया।

(52) दाल में काला होना :-
अर्थ :- दोष छिपे होने का सन्देह होना।
प्रयोग :- पड़ोसी के घर पुलिस को आया देखकर पिता ने पुत्र से कहा - मुझे तो दाल में कुछ काला लगता है।

(53) दाल जूतियों में बँटना :-
अर्थ :- अनबन होना।
प्रयोग :- रमेश और श्याम की मित्रता गहरी थी मगर अब दाल जूतियों में बँट गई है।

(54) दूध का दूध पानी का पानी होना :-
अर्थ :- सही और उचित न्याय।
प्रयोग :- विक्रमादित्य के राज्य में प्रजा सब प्रकार से सन्तुष्ट थी क्योंकि उनके यहाँ दूध का दूध पानी का पानी जाता था।

(55) दूध की नदियाँ बहाना :-
अर्थ :- दूध का जरूरत से अधिक उत्पादन करना।
प्रयोग :- श्वेत क्रान्ति भी देश की धन से परिपूर्ण होना। की नदियाँ न बहा सकी।

(56) देवता कूच कर जाना :-
अर्थ :- अत्यन्त भयभीत हो जाना, होश गायब हो जाना
प्रयोग :- जंगल में अचानक सिंह को अपने सामने देखकर मनमोहन के तो देवता कूच कर गए।

(57) नदी - नाव संयोग :-

अर्थ :- आश्रय - आश्रित का सम्बन्ध।

प्रयोग :- कर्मचारी के हितों के नाम पर यूनियन के नेता फैक्ट्री में तालाबन्दी की बात कर रहे हैं, अब भला कोई उनसे पूछे फैक्ट्री और कर्मचारी में नदी - नाव का संयोग होता रहे है, फिर तालाबन्दी से कर्मचारियों का कल्याण कैसे हो सकता है।

(58) नह्ले पे दहला चलना :-

अर्थ :- अकाट्य दाँव चलना।

प्रयोग :- बड़ी संख्या में सवर्णों को विधानसभा टिकट देकर सुश्री मायावती ने ऐसा नह्ले पे दह्ला चला कि उन पर दलित राजनीति करने का आरोप लगानेवाले चारों खाने चित्त हो गए।

(59) नाक कटना :-

अर्थ :- बेइज्जती होना।

प्रयोग :- बेटे के चोरी करते पकड़े जाने पर निखिल के पिता की नाक कट गई।

(60) नाक काटना :-

अर्थ :- बेइज्जती होना।

प्रयोग :- आतंकवादी वारदातों में सम्मिलित होकर देश के कितने ही युवा अपने परिवार और देश की नाक काटने पर तुले हैं।

(61) नाक कटने से बचाना :-
अर्थ :- बेइज्जत होने से बचाना।
प्रयोग :- माता-पिता बच्चों के अन्तर्जातीय विवाह सम्बन्धों को सहज रूप में स्वीकार करके ही अपनी नाक कटने से बचा सकते हैं।

(62) नाक का बाल :-
अर्थ :- अत्यन्त अन्तरंग। प्रिय।
प्रयोग :- अपनी नाक का बाल बने बोटाले में फँसे विधायक को पार्टी से कैसे निकाले, मुख्यमंत्री के सामने अब यह एक बड़ी समस्या है।

(63) नाक बचाना :-
अर्थ :- इज्जत बचाना।
प्रयोग :- आजकल के बच्चें अपनें माँ-बाप की नाक बचाए रखें, यही उनकी सबसे बड़ी सेवा और भक्ति है।

(64) नाकों चने चबाना :-
अर्थ :- बहुत तंग करना।
प्रयोग :- अगर हम और कहीं होते तो लोगों को नाकों चने चबवा देते।

(65) नौ-दो-ग्यारह होना :-
अर्थ :- गायब हो जाना।
प्रयोग :- पुलिस को आता देखकर गिरहकट नौ-दो-ग्यारह हो गए।

(66) पत्ता काटना :-
अर्थ :- मामले या पद से हटा देना।
प्रयोग :- अपने मण्डल दौरे पर आई मुख्यमन्त्री ने सभी दोषी अधिकारियों का पत्ता काट दिया।

(67) सिर खुजलाना :-
अर्थ :- सोच में पड़ जाना, अनिर्णय की स्थिति में होना।
प्रयोग :- परिक्षा में अनुतीर्ण होने के कारण पूछे जाने पर निकेत सिर खुजलाने लगा कि क्या जवाब दे।

(68) सिर माथे पर चढ़ाना / लेना :-
अर्थ :- सादर स्वीकार करना।
प्रयोग :- जुम्मन ने भरी पंचायत में खड़े होकर कहा कि मैं पंचों का हुक्म सिर माथे पर चढ़ाऊँगा।

(69) हथियार डाल देना :-
अर्थ :- हिम्मत हार जाना, समर्पण कर देना।
प्रयोग :- कलिंग की सेना ने अन्तिम साँस रहने तक अशोक के सामने हथियार नहीं डाले।

(70) हवाई किले बनाना :-
अर्थ :- काल्पनिक योजनाएँ बनाना।
प्रयोग :- वह बुद्धि जो हवा में किले बनती रहती थी। सब इस गुत्थी को भी न सुलझा सकती थी।

(71) हाथ के तोते उड़ाना :-
अर्थ :- अचानक किसी अनिष्ट के कारण स्तब्ध रह जाना।
प्रयोग :- अपने पुत्र के दुर्घटना में मारे जाने का समाचार सुनकर मानों गिरधर के हाथ के तोते उड़ गए।

(72) हाथ पर हाथ रखकर बैठना :
अर्थ :- निष्प्रयत्न होना।
प्रयोग :- हाथ पर हाथ रखकर बैठने से तो किसी की समस्या का समाधान नहीं हो सकता।

(73) हाथ-पाँव मारना :-
अर्थ :- प्रयत्न करना।
प्रयोग :- आप चाहे कितने भी हाथ पाँव मार लें, किन्तु आपकी समस्या का समाधान बिना सुविधा-शुल्क के नहीं हो सकता।

(74) मुट्ठी गर्म करना :-
अर्थ :- रिश्वत देना।
प्रयोग :- लिपिक की मुट्ठी गर्म करने पर ही लाभचन्द को चीनी का परमिट मिल सका।

(75) मूँछें नीची हो जाना :-
अर्थ :- अपमानित होना
प्रयोग :- बेटे के साँवले दूल्हे से शादी करने से इनकार कर देने पर चौधरी की मूँछें नीची हो गई।

(76) मैदान मारना :-
अर्थ :- सफलता / जीत प्राप्त करना।
प्रयोग :- राजेन्द्र अग्रवाल चुनाव का मैदान मारकर संसद पहुँच ही गए हैं।

(77) रंग में भंग पड़ना :-
अर्थ :- आनन्द में विघ्न होना।
प्रयोग :- सिनेमाहाल में झगड़ा होने पर दर्शकों के रंग में भंग पड़ गया।

(79) रोंगटे खड़े होना :-
अर्थ :- भयभीत होना, हर्ष / आश्चर्य से पुलकित होना।
प्रयोग :- अनियन्त्रित बस जब पहाड़ी के किनारे एक पेड़ से रुक गई और यात्रियों ने पहाड़ी से नीचे देखा तो खाई की गहराई देखकर उनके रोंगटे खड़े हो गए।

(80) लकीर का फकीर होना :-
अर्थ :- पुरानी नीति पर चलना।
प्रयोग :- आधुनिक विज्ञान के युग में लकीर का फकीर होना समझदारी का प्रमाण नहीं है।

(81) लाल-पीला होना :-
अर्थ :- क्रोधित होना।
प्रयोग :- रामू से दूध बिखर जाने पर उसकी माँ उस पर खूब लाल-पीली हुई।

(82) लुटिया डुबोना :-
अर्थ :- प्रतिष्ठा नष्ट करना, काम बिगाड़ देना। कलंक लगाना
प्रयोग :- उसने तो दस-बारह रुपये का ही नुकसान किया था। तुमने तो लुटिया ही डुबो दी।

(83) लोहा लोहे को काटता है :-
अर्थ :- कठोर बनकर ही कठोरता का समाधान किया जा सकता है।
प्रयोग :-
कश्मीरियों ने जब अपनी सुरक्षा के लिए स्वयं हथियार उठाए, तब जाकर वहाँ कुछ शान्ति स्थापित हुई, क्योंकि वे जानते थे कि लोहा ही लोहे को काटता है।

(84) श्रीगणेश करना :-
अर्थ :- कार्य आरम्भ करना।
प्रयोग :- इस शुभ कार्य का श्रीगणेश तुरन्त कर देना चाहिए।

(85) बाल-बाँका न होना :-
अर्थ :- कुछ भी हानि न पहुँचना।
प्रयोग :- इस मुकदमें में तुम चाहे कितना ही धन व्यय करो, किन्तु उनका बाल-बाँका नहीं हो सकता।

(86) बिजली गिरना :-
अर्थ :- घोर विपत्ति आना।
प्रयोग :- सरला के जवान बेटे की मौत क्या हुई, उस तो मानो बिजली गिर गई।

(87) बीड़ा उठाना :-
अर्थ :- कोई जोखिम भरा काम करने की जिम्मेदारी लेना।
प्रयोग :- फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने युद्ध-क्षेत्र में घायलों की सेवा का बीड़ा उठाया।

(88) भण्डा फूटना :-
अर्थ :- भेद खुल जाना, रहस्य प्रकट हो जाना।
प्रयोग :- जनसभा में जब नेताजी के भ्रष्टाचार का भण्डा फूट गया तो वे चुपचाप ही वहाँ से खिसक लिए।

(89) भीगी बिल्ली बनना :-
अर्थ :- भय या स्वार्थवश अति नम्र होना।
प्रयोग :- घर पर रहकर मूँछों पर ताव देनेवाले मुरलीधर कार्यालय में अपने अधिकारी के सामने भीगी बिल्ली बने रहते हैं।

(90) मक्खन लगाना :-
अर्थ :- चापलूसी करना।
प्रयोग :- अफसरों को मक्खन लगाना कोई शोभित से सीखे, जिसने सालभर में ही प्रोन्नति प्राप्त कर ली।

(91) मन्त्र फूँकना :-
अर्थ :- सफल युक्ति का प्रयोग करना।
प्रयोग :- विवेकी जी पता नहीं, अपने छात्रों में ऐसा कौन-सा मन्त्र फूँकते हैं, कि कोई ~~विवेजी~~ भी छात्र प्रथम श्रेणी से कम उत्तीर्ण ही नहीं होता।

(92) मुँह की खाना :-
अर्थ :- परास्त होना, अपमानित होना।
प्रयोग :- सतपाल से बड़े-बड़े पहलवानों ने मुँह की खाई।

(93) पर्दा डालना :-
अर्थ :- दुर्गुणों को छिपाना
प्रयोग :- बच्चे तभी बिगड़ते हैं, जब माँ-बाप अकी गलतियों पर पर्दा डालते हैं।

(94) पहाड़ टूट पड़ना :-
अर्थ :- मुसीबतें आना।
प्रयोग :- राम के पिता की मृत्यु से उसके परिवार पर मानो पहाड़ टूट पड़ा।

(95) पानी उतर जाना :-
अर्थ :- इज्जत समाप्त हो जाना।
प्रयोग :- रमेश की चोरी पकड़े जाने के बाद से जनता की निगाह में उसका पानी उतर गया।

(96) पानी फेर देना :-
अर्थ :- निराश कर देना।
प्रयोग :- अनमोल ने विद्यालय छोड़कर अपने पिता की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

(97) पापड़ बेलना :-
अर्थ :- कष्ट झेलना।

प्रयोग :- राम को नौकरी प्राप्त करने के लिए बड़े पापड़ बेलने पड़े।

(98) पेट में दाढ़ी होना :-
अर्थ :- कम अवस्था में ही अधिक बुद्धिमान / चतुर-चालक होना।
प्रयोग :-
श्याम की आयु केवल पन्द्रह साल की है, किन्तु वह अपने चाचा से राजनीति की चर्चा कर रहा था। यह देखकर वहाँ बैठे एक व्यक्ति ने कहा कि इस लड़के के पेट में तो दाढ़ी है।

(99) प्यासा ही कुएँ के पास जाता है :-
अर्थ :- जरूरतमन्द ही अपनी जरूरत की वस्तु के स्त्रोत को ढूँढता हुआ उस तक पहुचता है।
प्रयोग :- बेटा! बाजार में एक से बढ़कर एक पुस्तक उपलब्ध है, वहाँ जाना तो पड़ेगा ही, क्योंकि प्यासा ही कुएँ के पास जाता है, कुआँ स्वयं चलकर उसके पास नहीं आता।

(100) प्राण हथेली पर रखना :-
अर्थ :- मृत्यु के लिए तैयार रहना।
प्रयोग :- भारतीय सैनिक प्राण हथेली पर रखकर अपने शत्रुओं का सामना करते है।